चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	28.7.21	2	1

HAU employees donate ₹1 cr for Covid fund

HISAR, JULY 27

Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Prof BR Kamboj, presented a cheque of Rs 1,03,02,321 to Haryana Chief Minister Manohar Lal Khattar for Haryana Corona Relief Fund.

While presenting the cheque to the Chief Minister at his office here on Friday, Kamboj said this donation had been made voluntarily by the employees of the university. He said that the teachers and non-teaching staff of the university had voluntarily decided to donate 10 per cent of their basic salary of one month. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भास्कर	28.7.21	2	3-5

किसानों के घर जाकर फसल संबंधी समस्याओं का समाधान करेगी एचएयू

वीसी बोले-एचएयू किसानों के लिए तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुडकर इसका लाभ उठाना चाहिए। किसानों की फसलों संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अलग से टीमें गठित की गई है, जो किसानों के घर-घर जाकर भी उनकी समस्या के समाधान का प्रयास करेगी।

वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहने का आह्वान किया। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। मंच का संचालन डॉ. नरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. एम.एल. खिचड़ सहित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक महिला व पुरूष किसान भी मौजूद रहें।

किसान गोष्ठी को संबोधित करते एचएयू के वीसी ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.7.14	3	2-5

'कपास की फसल में न उठानी पड़े किसानों को समस्या, एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर कर रही हैं जागरूक'

हिसार, 27 जुलाई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुडकर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एच.ए.यू. के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मु यातिथि संबोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए।

उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते है। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है।

'बदल रही है लोगों की सोच : छाबड़ा'

हिसार (पंकेस): लोगों की घरों की सजावट को लेकर सोच बदल रही है। अब लोग घर की सज्जा पर विशेष ध्यान देते हैं। इसी को ध्यान में रखकर आर्मोनिया ने इंटीरियर डेकोरेशन की दिशा में हिसार में कदम बढ़ाया है। यह बात आर्मोनिया के संस्थापक विजयंत छाबड़ा और मनीष बंसल ने पत्रकारों से बातचीत में कही। इस अवसर पर सौरभ सिंगल ने कहा कि आज लोगों की सोच और जरुरत घर सज्जा व फर्निशिंग को लेकर बदल गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.7.21	8	3-1

एचएयू किसानों हेतु सदैव तत्पर : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 जुलाई (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुडने का अवसर प्रदान करते है। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पौधे वितरित करते हुए।

आधारित अन्य ज़ानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए

एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान बिना वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कीटनाशकों का अंधाधुंध छिडकाव कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड, पौद्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-पानी की निशुल्क जांच के अलावा मौसम संबंधी जानकारी के लिए निशुल्क पंजीकरण किया गया। गोष्ठी में मौजूद किसानों को फलदार पौधे व फसलों की समग्र सिफारिशों संबंधित लिखित सामग्री वितरित की गई। इस दौरान कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा अचार, बेकरी, मशरूम, सिंचाई तकनीकों, जैविक खेती आदि की भी प्रदर्शनी लगाई गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. नरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. एम.एल. खिचड़ सहित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक महिला व पुरूष किसान भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.07.2021	--	--

'एच.ए.यू. किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ: प्रो. बी.आर. कांबोज'

किसानों को समस्या न हो एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

महेंद्रगढ़, 27 जुलाई (मोहन, परमजीत): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एच.ए.यू. के अनुसंधान निदेशालय, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान द्वारा महेंद्रगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। [illegible]

प्रो. बी.आर. काम्बोज महेंद्रगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र में किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए।

[illegible]

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.07.2021	--	--

किसान ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रो. कांबोज

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रवासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान द्वारा महेंद्रगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजवीर सिंह ने की। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि राज्य सरकार व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विवि के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.07.2021	--	--

'एचएयू किसानों की मदद को हमेशा आगे'

कृषि विज्ञान केंद्र में हुई किसान गोष्ठी, एचएयू के कुलपति ने दी कृषि संबंधित जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर. कांबोज ने कहा कि किसानों की मदद के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर, प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ में पौधे वितरित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय, अनुसंधान निदे मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-पानी की निःशुल्क जांच के अलावा मौसम संबंधी जानकारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण किया गया। इस दौरान कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा अचार, बेकरी, मशरूम, सिंचाई तकनीकी, जैविक खेती आदि की भी प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. [illegible] सिंह, डॉ. [illegible] डांडा, डॉ. [illegible] बिश्नोई सहित कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक व किसान मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	28.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

➪ विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात: कुलपति

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआरएमए में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	28.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम में दाखिला

आज समाज नेटवर्क

उपलब्धि

चंडीगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित्त नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	27.07.2021	--	--

कपास की फसल में गत वर्ष की भांति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ: प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते है। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए है। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे है ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को किसानों की हर समस्या का समाधान उनके द्वार पर आकर करने को कहा।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान बिना वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कीटनाशकों का अंधाधुंध छिड़काव कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विश्वविद्यालय से जुड़कर किसान वैज्ञानिकों से सही व सटीक जानकारी हासिल करें और उनकी राय अनुसार ही सिफारिश किए गए कीटनाशकों का प्रयोग करें। गत वर्ष कपास की फसल का नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। यह समस्या ज्यादातर रेतीली जमीन में आई थी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहने का आह्वान किया। कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	28.07.2021	--	--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

कपास की फसल में गत वर्ष की भांति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते है। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका न्यूज	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

सुभाष पंवार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम

व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआरएमए में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा ज्योति	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

हिसार / हांसी 26 जुलाई। मनमोहन शर्मा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, निरमा व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिए गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

पिछले कई वर्षों से लगातार हो रहा है चयन, विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआईएम्स में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया ने बताया कि इस बार तीन विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में सुमित जागड़ा का चयन आईआईएम कोजीकोड़े, समर सांगवान का आईआईएम एफएबीएम और सक्षम भाटिया का चयन आईआईएम रोहतक में हुआ है। इसके अलावा विजेंद्र का आईसीएआर-नार्म हैदराबाद, योगेश राज राना व विशाल का निरमा जयपुर, सचिन, सचिन राणा, आशिष शर्मा, अजय गोदारा, समर सिंह, रोबिन चौटिया, नरेश, पारस, सुमित खटकड़, अमन, हरगुणजोत सिंह, केशव गोयल, जयवीर व जसमीत का इरमा गुजरात और पूनम, सौरभ व सचिन सोनी का मैनेज हैदराबाद में चयन हुआ है।

नेहरू पुस्तकालय का अहम् योगदान आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थी मध्यमवर्गीय व किसान परिवारों से संबंध है। इसके लिए संसाधनों के अभाव में ऐसे आईआईएम के लिए तैयारी करना बहुत ही कठिन था, लेकिन विश्वविद्यालय का नेहरू पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ। विद्यार्थियों अनुसार दिन में कॉलेज की कक्षाएं खत्म होने के बाद देर रात तक नेहरू पुस्तकालय में अपनी पढ़ाई जारी रखते थे। विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में इस तरह की प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बहुत ही लाभदायक सामग्री मौजूद है, जो विद्यार्थियों के बहुत काम आई।

काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने किया मार्गदर्शन विश्वविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल का भी विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे योगदान रहा है। चयनित होने वाले विद्यार्थियों के अनुसार अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह बैनीवाल द्वारा काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से समय-समय पर आयोजित सेमिनार, वर्कशॉप, काउंसलिंग, मोटिवेशनल सेशन, आदान-प्रदान प्रशिक्षण, प्री-थिंक टाम्क इन हॉस्टल, प्री-प्लेसमेंट टाम्क व पूर्व प्रतिभाशाली छात्रों के साथ विचार-विमर्श के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया गया।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई व सीनियर साथियों के सहयोग व प्रेरणा ने भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज की नई, सकारात्मक, ऊर्जावान व दूरदृष्टि सोच का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का देश के सबसे बड़े संस्थानों में चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

हिसार, 26 जुलाई (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का

प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआरएमए में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया ने बताया कि इस बार तीन विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में सुमित जांगड़ा का चयन आईआईएम कोजीकोड़े, समर सागवाल का आईआईएम एफएबीएम और सक्षम भाटिया का चयन आईआईएम रोहतक में हुआ है। इसके अलावा विजेंद्र का आईसीएआर-नार्म हैदराबाद, योगेश राज राना व विशाल का नियाम जयपुर, सचिन, सचिन राणा, आशिष शर्मा, अजय गोदारा, समर सिंह, रोबिन चोटिया, नरेश, पारस, सुमित खटकड़, अमन, हरगुणजोत सिंह, केशव गोयल, जयवीर व जशमीत का इरमा गुजरात और पूनम, सौरभ व सचिन सोनी का मैनेज हैदराबाद में चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	27.07.2021	--	--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को किसानों की हर समस्या का समाधान उनके द्वार पर जाकर करने को कहा।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान बिना वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कीटनाशकों का अंधाधुंध छिड़काव कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विश्वविद्यालय से जुड़े किसान वैज्ञानिकों से सही व सटीक जानकारी हासिल करें और उनकी राय अनुसार ही सिफारिश किए गए कीटनाशकों का प्रयोग करें। गत वर्ष कपास की फसल का नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पोषण के चलते समस्या बढ़ी थी। यह समस्या ज्यादातर रेतीली जमीन में आई थी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहने का आह्वान किया। कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-पानी की निशुल्क जांच के पंजीकरण किया गया। गोष्ठी में मौजूद किसानों को फलदार पौधे व फसलों की समग्र सिफारिशों संबंधित लिखित सामग्री वितरित की गई। इस दौरान कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा अचार, बेकरी, मशरूम, सिंचाई तकनीकों, जैविक खेती आदि की भी प्रदर्शनी लगाई गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. नरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. एम.एल.खिचड़ सहित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक महिला व पुरुष किसान भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष न्यूज	27.07.2021	--	--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर: प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौद्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने भी कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाईम्स	27.07.2021	--	--

कुलपति ने दी विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई

हांसी, 26 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/मनमोहन शर्मा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, निफम व मैनेज में चयन हुआ है।

इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। पिछले कई वर्षों से लगातार हो रहा है चयन, विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआरएमए में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे।

इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिसमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दहिया ने बताया कि इस बार तीन विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में सुमित जांगड़ा का चयन आईआईएम कोजीकोड़े, समर सालवीन का आईआईएम [illegible] और सक्षम भाटिया का चयन आईआईएम रोहतक में हुआ है। इसके अलावा विजेंद्र का आईसीएआर-नार्म हैदराबाद, योगेश राणा व विकास का निफम जयपुर, सचिन, सचिन राणा, अंकित शर्मा, अजय बेरवाल, समर सिंह, रोहित पोरिया, नेहा, पारस, सुमित खटकड़, अमन, हरगुनजीत सिंह, केशव सेवदा, जसबीर व जसमीत का इरमा गुजरात और पुष्प, धीरज व सचिन सैनी का मैनेज हैदराबाद में चयन हुआ है।

केंद्रीय पुस्तकालय का अहम योगदान आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थी मध्यमवर्गीय व किसान परिवारों से संबंध है। इनके लिए संसाधनों के अभाव में ऐसे आईआईएम के लिए तैयारी करना बहुत ही कठिन था, लेकिन विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ। विद्यार्थियों अनुसार दिन में कॉलेज की कक्षाएं खत्म होने के बाद देर रात तक केंद्रीय पुस्तकालय में अपनी पढ़ाई जारी रखते थे। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में इस तरह की प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बहुत ही लाभदायक सामग्री मौजूद है, जो विद्यार्थियों के बहुत काम आई। काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने किया मार्गदर्शन विश्वविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल का भी विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे योगदान रहा है। चयनित होने वाले विद्यार्थियों के अनुसार अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह बैनीवाल द्वारा काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से समय-समय पर आयोजित सेमिनार, वर्कशॉप, काउंसलिंग, मोटिवेशनल सेशन, आदान-प्रदान प्रशिक्षण, प्री-टिप्स [illegible], प्री-प्लेसमेंट टॉक व पूर्व प्रतिभाशाली छात्रों के साथ विचार-विमर्श के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई व सीनियर साथियों के सहयोग व प्रेरणा ने भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंट	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

अटल हिंद संवाददाता/हांसी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है।

विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित्त नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	27.07.2021	--	--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ: प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही है जागरूक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, [illegible]

हिसार: विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज किसान गोष्ठी के पौधे वितरित करते हुए।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	28.07.2021	--	--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

कपास की फसल में गत वर्ष की भांति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

बी.आर. काम्बोज किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए व पौधे वितरित करते हुए।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वार जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उन्नत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

इसलिए गत वर्ष की भांति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को किसानों की हर समस्या का समाधान उनके द्वार पर जाकर करने को कहा।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा : *प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी सिफारिशों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान बिना वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कीटनाशकों का अंधाधुंध छिड़काव कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विश्वविद्यालय से जुड़कर किसान वैज्ञानिकों से सही व सटीक जानकारी हासिल करें और उनकी राय अनुसार ही सिफारिश किए गए कीटनाशकों का प्रयोग करें। गत वर्ष कपास की फसल का नष्ट होने में किसानों द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिश के फसल पर कीटनाशकों के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कपास की फसल में नमी एवं पौधों के बचने समस्या बढ़ी थी। यह समस्या ज्यादातर रेतीली जमीन में आई थी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जुटे रहने का आह्वान किया। कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कीटनाशकों को लेकर की गई सिफारिशों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौधा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। गोष्ठी में प्रदर्शनी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-पानी की निःशुल्क जांच के अलावा बीमा संबंधी जानकारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण किया गया। गोष्ठी में मौजूद किसानों को फलदार पौधे व फसलों की सफल सिफारिशों संबंधित लिखित सामग्री वितरित की गई।*